हरी ॐ ईक औंकार को सिमरिऐ, मिट जाऐ सभी कलेश, Bhajans Bhakti Song

हरी ॐ
ईक औंकार को सिमरिऐ,
मिट जाऐ सभी कलेश,
विघन विनाशत विघन
हरत गणपति श्री गणेश ॥

भगवती संग पुजिऐ
श्री बह्मा विषणु महेश,
गुरू दासों का दास हुँ
मोरे अंग संग रहो हमेश ॥

सरस्वती स्वर दिजिऐ
स्वर के साथ ज्ञान,
मै बेसुर बेताल हुँ मैय्या
आप करो कल्याण ॥

मोरी रखियो लाज
गुरू देव देव,

मोरी रखियो
लाज गुरू देव - ॥

बाबे मेरे हाल
दा महरम तु,
अंदर तु है बाहर
तु है मेरे रोम

रोम विच तु ॥
तु ही ताना तु ही बाना,
सब किछ मेरा तु वे
सांईया सब किछ मेरा तु ॥

कह हुसेन फकिर सांई
दा, मै नाहीं सब तु ॥

ख्वाजा जी महाराजा जी - ॥
तुम बनो गरीब निवास,
अपना कर के राखियो
तोहे बाहं पकडे की लाज ॥

रह मन संसार मे
सबसे मिलिऐ ध्याऐ,
ना जाने की भेस मे मोहे
नारायण मिल जाऐ ॥

ज्ञान ध्यान कुछ कर्म ना
जाना सार ना जाना तेरी,
सबसे वड़ा धन सतगुरू
नानाक जिन कल राखि मेरी ॥

जे मै वेखा अमला वले
कुछ नहीं पले मेरे,
जे मै वेखां तेरी रहमत
वले बल्ले बल्ले ॥

हरी ॐ

Source: https://www.bharattemples.com/haree-om-ik-onkaar-ke-simariya/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw